



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Vartika

04/07/2024 12:35

Jaipur

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	04/07/2024
जन्म का समय	12:35
जन्म स्थान	Jaipur
अक्षांश	26.9124336
देशान्तर	75.7872709
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	24.20141847109067
सूर्योदय	05:41:00
सूर्यास्त	19:22:00

घटक चक्र

महीना	शनि
तिथि	5 (पंचमी), 10 (दशमी), 15 (पूर्णिमा / अमावस्या)
विपरीत लिंग लग्न	वृश्चिक
नक्षत्र	हस्ता
भगवान	बृहस्पति
समलिंगी लग्न	वृषभ
Tatva	आकाश
रासी	कन्या

पंचांग विवरण

तिथि	चतुर्दशी
योग	वृद्धि
नक्षत्र	मृगशिरा
करण	विष्टि

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	वैश्य
वास्या	चतुष्पाद
योनि	सौँप
तिथि	कृ.चतुर्थी
नक्षत्राधिपति	मंगल
नक्षत्र	मृगशिरा
प्रबल	कन्या
Tatva	पृथ्वी
करण	विष्टि
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
दलदल	चांदी
नाम वर्णमाला	वे
रासी	वृषभ
नाड़ी	पित्त

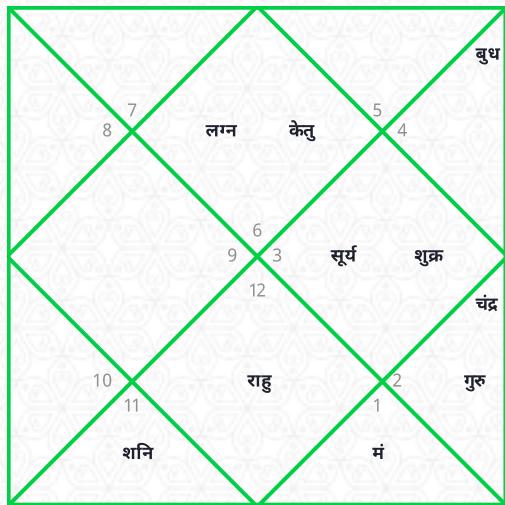
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नेश		कन्या	169.02299361352624	बुध	हस्ता(3)	चंद्रमा	1
सूर्य		मिथुन	78.60916530590558	बुध	आर्द्र(4)	राहु	10
चंद्रमा		वृषभ	58.09590600798661	शुक्र	मृगशिरा(2)	मंगल	9
मंगल		मेष	24.133780920236994	मंगल	भरानी(4)	शुक्र	8
बुध		कैंसर	98.79982445889172	चंद्रमा	पुष्य(2)	शनि	11
बृहस्पति		वृषभ	44.73259248545866	शुक्र	रोहिणी(2)	चंद्रमा	9
शुक्र		मिथुन	86.73604921734989	बुध	पुनरवसु(3)	बृहस्पति	10
शनि		कुंभ	325.2102908156266	शनि	पूर्वभद्र(2)	बृहस्पति	6
राहु		मीन	346.88979398294913	बृहस्पति	रेवती(1)	बुध	7
केतु		कन्या	166.88979398294913	बुध	हस्ता(3)	चंद्रमा	1

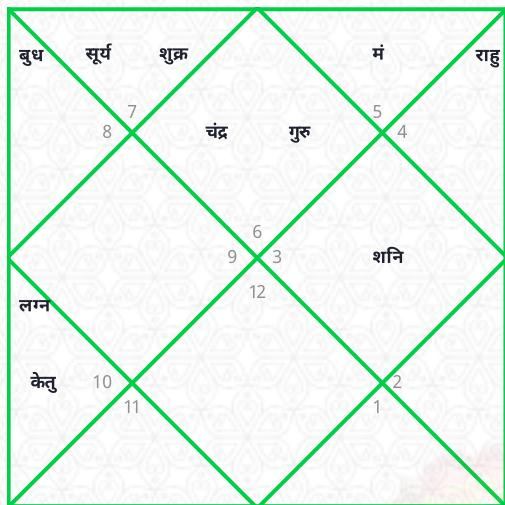
 सूर्य मिथुन आर्द्र(4) तटस्थ	 चंद्रमा वृषभ मृगशिरा(2) नुकसानदायक	 मंगल मेष भरानी(4) अत्यधिक नुकसानदायक
 शनि कुंभ पूर्वभद्र(2) लाभकारी	 बृहस्पति वृषभ रोहिणी(2) मारक	 शुक्र मिथुन पुनरवसु(3) योगकारक
 राहु मीन रेवती(1) अशुभ	 केतु कन्या हस्ता(3) अशुभ	

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

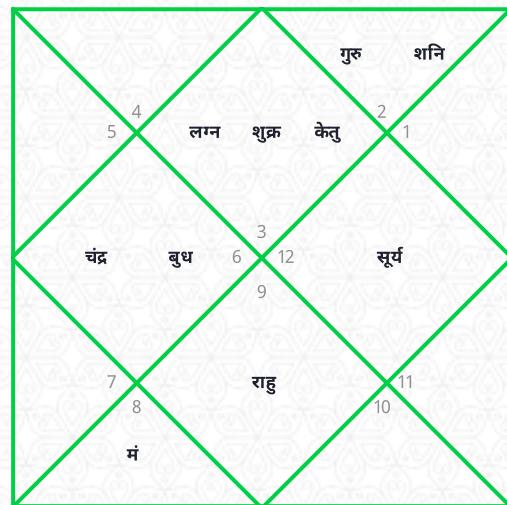


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	--	--	--	--	--	--
चंद्रमा	--	--	--	--	--	--	--
मंगल ग्रह	--	--	--	--	--	--	--
बुध	--	--	--	--	--	--	--
बृहस्पति	--	--	--	--	--	--	--
शुक्र	--	--	--	--	--	--	--
शनि ग्रह	--	--	--	--	--	--	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
बुध	दोस्त	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दुश्मन	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
बुध	दोस्त	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दुश्मन	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

विंशोत्तरी दशा - 1

मंगल	
गुरु जून 02 2022	
बुद्ध जनवरी 03 2029	
मंगल	जून 02 2022
राहु	जून 20 2023
बृहस्पति	मई 26 2024
शनि	जुलाई 05 2025
बुध	जुलाई 02 2026
केतु	नवंबर 28 2026
शुक्र	जनवरी 28 2028
सूर्य	जून 04 2028
चंद्रमा	जनवरी 03 2029

राहु	
मंगल सितंबर 16 2031	
सोम दिसंबर 31 2046	
राहु	सितंबर 16 2031
बृहस्पति	फरवरी 08 2034
शनि	दिसंबर 14 2036
बुध	जुलाई 03 2039
केतु	जुलाई 20 2040
शुक्र	जुलाई 20 2043
सूर्य	जून 13 2044
चंद्रमा	दिसंबर 13 2045
मंगल	दिसंबर 31 2046

बृहस्पति	
बुद्ध फरवरी 17 2049	
गुरु दिसंबर 28 2062	
बृहस्पति	फरवरी 17 2049
शनि	अगस्त 31 2051
बुध	दिसंबर 05 2053
केतु	नवंबर 11 2054
शुक्र	जुलाई 11 2057
सूर्य	अप्रैल 29 2058
चंद्रमा	अगस्त 29 2059
मंगल	अगस्त 04 2060
राहु	दिसंबर 28 2062

शनि	
बुद्ध दिसंबर 30 2065	
बुद्ध दिसंबर 24 2081	
शनि	दिसंबर 30 2065
बुध	सितंबर 07 2068
केतु	अक्टूबर 17 2069
शुक्र	दिसंबर 16 2072
सूर्य	नवंबर 28 2073
चंद्रमा	जून 29 2075
मंगल	अगस्त 07 2076
राहु	जून 13 2079
बृहस्पति	दिसंबर 24 2081

बुध	
रवि मई 21 2084	
शुक्र दिसंबर 19 2098	
बुध	मई 21 2084
केतु	मई 18 2085
शुक्र	मार्च 17 2088
सूर्य	जनवरी 21 2089
चंद्रमा	जून 22 2090
मंगल	जून 19 2091
राहु	जनवरी 05 2094
बृहस्पति	अप्रैल 11 2096
शनि	दिसंबर 19 2098

केतु	
रवि मई 17 2099	
शनि दिसंबर 19 2105	
केतु	मई 17 2099
शुक्र	जुलाई 17 2100
सूर्य	नवंबर 22 2100
चंद्रमा	जून 23 2101
मंगल	नवंबर 19 2101
राहु	दिसंबर 07 2102
बृहस्पति	नवंबर 13 2103
शनि	दिसंबर 22 2104
बुध	दिसंबर 19 2105

विंशोत्तरी दशा - 2

शुक्र		सूर्य		चंद्रमा	
शुक्र	अप्रैल 19 2109	बुध्दि	अप्रैल 03 2126	मंगल	अक्टूबर 14 2132
शुक्र	दिसंबर 14 2125	शनि	दिसंबर 15 2131	बुध्दि	दिसंबर 13 2141
शुक्र	अप्रैल 19 2109	सूर्य	अप्रैल 03 2126	चंद्रमा	अक्टूबर 14 2132
सूर्य	अप्रैल 19 2110	चंद्रमा	अक्टूबर 03 2126	मंगल	मई 15 2133
चंद्रमा	दिसंबर 18 2111	मंगल	फरवरी 08 2127	राहु	नवंबर 14 2134
मंगल	फरवरी 16 2113	राहु	जनवरी 03 2128	बृहस्पति	मार्च 15 2136
राहु	फरवरी 16 2116	बृहस्पति	अक्टूबर 21 2128	शनि	अक्टूबर 14 2137
बृहस्पति	अक्टूबर 16 2118	शनि	अक्टूबर 03 2129	बुध	मार्च 15 2139
शनि	दिसंबर 15 2121	बुध	अगस्त 09 2130	केतु	अक्टूबर 14 2139
बुध	अक्टूबर 14 2124	केतु	दिसंबर 15 2130	शुक्र	जून 13 2141
केतु	दिसंबर 14 2125	शुक्र	दिसंबर 15 2131	सूर्य	दिसंबर 13 2141

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	मंगल	मंगल जनवरी 04 2022 रात 12:00 बजे	गुरु जनवरी 04 2029 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	शनि	रवि मई 26 2024 दोपहर 3:24 बजे	शनि जुलाई 05 2025 दोपहर 12:00 बजे
पर्यातर्दशा	शनि	रवि मई 26 2024 दोपहर 3:24 बजे	सोम जुलाई 29 2024 शाम 5:51 बजे
शुक्रशमदाशा	बृहस्पति	रवि जुलाई 21 2024 बहुत सवेरे 4:44 बजे	सोम जुलाई 29 2024 शाम 5:51 बजे
प्रणादशा	शनि	सोम जुलाई 22 2024 सुबह 8:05 बजे	मंगल जुलाई 23 2024 दोपहर 4:33 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : कन्या

विशेषताएँ	द्वैत, पार्थिव, दक्षिण
भाग्यशाली रत्न	पञ्च
भगवान्	बुध
प्रतीक	कुँवारी
उपवास का दिन	बुधवार

|ॐ बुधग्रहाय विश्वहे इन्दु पुत्राय धीमहि तत्त्वं बुधः प्रचोदयात् ॥

आप मुख्य रूप से सेवा दिमाग वाले, बहुत महत्वाकांक्षी, बातूनी, भावनात्मक, आत्मविश्वासी, और कभी-कभी हावी होते हैं और अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी शक्ति या बुद्धि का उपयोग करने के लिए प्यार करते हैं। कन्या जन्म के जातक शांत, मुलायम और सहानुभूति रखने वाले हो सकते हैं प्रकृति और हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए तैयार। आपको पालतू जानवर रखना पसंद है। आप विज्ञान, दर्शन, लेखा और प्रबंधन के क्षेत्र में सफल हैं। अच्छे संयोजन के साथ आप अपने करियर में आगे बढ़ेंगे और खराब संयोजन के साथ आप ऋण प्राप्त करेंगे।

विस्तार और व्यावहारिकता पर आपका सावधानीपूर्वक ध्यान आपको अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। आप पूर्णता और दक्षता चाहते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 11 गृह मे है। आप अपने दोस्तों के साथ मित्रवत रहेंगे और उनके माध्यम से लाभ प्राप्त करेंगे। आप उम्र के साथ होशियार हो जाएंगे और केवल उन्हीं से दोस्ती करेंगे जो आपको लाभ दे सकते हैं। आप बड़े संगठनों के साथ काम करना पसंद करते हैं और भाई-बहनों से बहुत कुछ हासिल करेंगे। संचार शैली बहुत सीधी होगी।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर, अपने विश्लेषणात्मक दिमाग को अपनाएं। आंतरिक सद्ब्राव की भावना प्राप्त करने के लिए सचेतनता का अभ्यास करें।

सकारात्मक लक्षण

विस्तार-उन्मुख

व्यावहारिक

विश्लेषणात्मक

व्यवस्थित

नकारात्मक लक्षण

आलोचनात्मक

अत्यधिक सोचना

चिंतित

अनम्य



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें